भारतीय विद्यालय डारसेट

हिंदी विभाग

पाठ: पवत प्रदेश म पावस कायपत्रिका को तिथिः ----------

संसाधन व्यक्ति: श्रीमती बीना स्टीफन तिथिः----------

विद्यार्थी का नाम : ----------कक्षा : X ब

प्रश्नोत्तर

1. पावस ऋतु म प्रकृति म कौन-कौन से परिवतन आते ह ? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
उ. पावस ऋतु म प्रकृति नए-नए रूपों म हमारे सामने आती है। धरती गीली हो जाती है। तालाब भर जाते ह। उनम से पहाड़ों का प्रतिबिंब झाँकने लगता है। कभी विशाल आकार के चमकीले बादल पहाड़ के समान आकाश म उड़ते प्रतीत होते ह। कभी अचानक वषा हो जाती है। कभी शाल के वृक्ष बादलों के बीच धँसे से जान पड़ते थे।कभी तालाबों से धुआँ निकलने लगता है। इस प्रकार पावस-ऋतु म प्रकृति नए-नए रूप-रंग लेकर प्रकट होती है।

2. ' मेखलाकार ' शब्द का क्या अथ है ? कवि ने इस शब्द का प्रयोग यहाँ क्यों किया है ?
उ. ' मेखलाकार ' शब्द का अथ है – कमरबंद या करधनी के आकार का, गोलाईदार उभार वाला। कवि ने इस शब्द का प्रयोग पहाड़ की विशालता और फैलाव को दिखाने के लिए किया है।

3. 'सहस्र दृग सुमन है ' से क्या तात्पय है ? कवि ने इस पद का प्रयोग किसके लिए किया होगा ?
उ. 'सहस्र दृग सुमन है ' से तात्पय है – पहाड़ों पर खिले हुए हज़ारों फूल, जो पहाड़ की आँखों के समान प्रतीत हो रहे थे। कवि ने कल्पना की है कि पहाड़ अपने नीचे फैले तालाब रूपी दपण म अपना विशाल आकार निहार रहे ह। इसके लिए आँखों की आवश्यकता थी। इसलिए कवि ने सुमनों को पहाड़ के नेत्र कहा।

4. कवि ने तालाब की समानता किसके साथ दिखाई है और क्यों ?
उ. कवि ने तालाब की समानता दपण के साथ की है। क्योंकि दपण साफ-स्वच्छ और प्रतिबिंब दिखाने म सक्षम होता है। तालाब म भी ये तीनों गुण थे। इस कारण उन्होंने तालाब की समानता दपण से की।

5. पवत के हृदय से उठकर ऊँचे-ऊँचे वृक्ष आकाश की ओर क्यो देख रहे थे और वे किस बात को प्रतिबिंबित करते ह ?
उ. ऊँचे-ऊँचे वृक्ष पवत के हृदय से उठकर आकाश की ओर देखकर सोच रहे थे और कि वे कब आकाश को छू लगे। वे किस उपाय से इतना ऊँचा उठ सकगे। वे मन म उच्च आकांक्षा धारण किए हुए थे। वे मानव की महत्त्वाकांक्षा को प्रतिबिंबित करते ह।

6. शाल के वृक्ष भयभीत होकर धरती म क्यों धँस गए ?
उ. शाल के वृक्ष भयभीत होकर धरती म इसलिए धँस गए क्योंकि अंबर ने अचानक धरती पर वषा के बाणों से आक्रमण कर दिया था।

7. झरने किसके गौरव का गान कर रहे ह ? बहते हुए झरने की तुला किससे की गई है ?
या

'धँस गए धरा म सभय शाल' का कल्पना का स्पष्ट कीजिए।
उ. झरने गिरि के गौरव का गुणगान कर रहे थे। उन्होंने बहते हुए झरने को तुलना मोतियों को लड़ियों से को है।